Naidunia (Indore), 26th March 2026, Naidunia City, P- I

आइआइटी इंदौर में राष्ट्रीय जल सम्मेलन

सतत जल संचालन के लिए सार्वजनिक भागीदारी जरूरी

सत्र में शामिल अतिथि, प्रोफेसर व अन्य। ● सौजन्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: जल संसाधन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और सतत विकास पर चर्चा के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के मेहता फैमिली स्कूल आफ सस्टेनेबिलिटी और सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा राष्ट्रीय जल सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका विषय "सतत एवं अनुकूल भविष्य के लिएं जल संसाधन का विकास" था। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश सरकार में सचिव जान किंग्स्ली शामिल हुए।

जान किंग्स्ली ने कहा कि वैज्ञानिक जल प्रबंधन को सामुदायिक भागीदारी के साथ-साथ चलना चाहिए। सतत जल संचालन के लिए केंद्रीकृत माडल, सार्वजनिक भागीदारी और सरकार और शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता है। प्रोफेसर एके नेमा ने कहा-भारत के बदलते जल विज्ञान पैटर्न के लिए स्मार्ट, प्रौद्योगिकी-सक्षम जल प्रणालियों की जरूरत है। एआइ से लेकर रिमोट सेंसिंग तक, दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत डिजिटल उपकरण आवश्यक हैं। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा-जल हमारे भविष्य के लिए प्रमुख स्थान रखता है और केवल अनुसंधान, नवाचार और उत्तरदायी प्रबंधन के माध्यम से ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए इस महत्वपूर्ण संसाधन को सुरक्षित कर सकते हैं। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रोफेसर मनीष गोयल ने बताया कि तकनीकी सत्रों में जल गुणवत्ता, जल विज्ञान जैसे विषयों पर चर्चा हुई।